# दिल्ली पब्लिक स्कूल, राँची
## सेल टाउनशिप, राँची
### अर्धवार्षिक परीक्षा (2017-18)

कक्षा– आठवीं | विषय–हिन्दी
समय–3 घंटे | पूर्णांक– 80

सामान्य निर्देषः

**(i )** इस प्रष्न –पत्र के चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।

**(ii)** चारों खंडों के प्रष्नों के उत्तर देना अनविार्य है।

**(iii)** यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमषः दीजिए।

---

## खण्ड – 'क'

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिए :

भारतवर्ष में संगीत का अपना एक विषेष महत्व है, जिसकी ग्रामीण जीवन से ही अनेक सुदर मनोहारी झाँकियाँ देखने को मिलती हैं। पंद्रहवीं षताब्दी से पूर्व 'रण वाद्य', बीर–बाजा' के माध्यम से सैनिकों में विपुल जोष एवं उत्साह भरा जाता था। रणभेरी सुनकर रणबाँकुरे सारी सांसारिक माया–ममता–मोह को त्यागकर रण के महासंग्राम में कूद पड़ते थे। जहाँ–जहाँ तक रणभेरी की आवाज़ सुनाई देती थी, बच्चे, जवान, बूढ़े रणक्षेत्र की ओर हुंकार भरते हुए निकल पड़ते थे। भजन, कीर्तन एवं त्योहारों में संगीत की परंपरा तो हमारे देष में सदियों से चली आ रही है।

वर्तमान समय में संगीत में हुए नए अनुसंधानों से यह बात पूर्णतः प्रमाणित हो चुकी है कि संगीत में अद्भुत चमत्कारक षक्ति विद्यमान हैं। गायें सुमधुर संगीत सुनकर अधिक दूध देने लगती हैं वृक्ष पर फल अधिक दूध देने लगती हैं, वृक्ष पर फल अधिक लगने के साथ मीठे भी होने लगते हैं। अनुकूल संगीत सुनकर पौधे बढ़ने लगते हैं तथा फसल अप्रत्याषित रूप से बढ़ने लगती है। अब ये सकारात्मक प्रयोग किए भी जाने लगे हैं।

अब तो यह–प्रमाणित हो ही चुका है कि संगीत में एक अतिषय प्रभावषाली षक्ति है। किस–किस तरह के संगीत रागिनियों अथवा गाने से मन–मस्तिष्क पर कैसा –कैसा प्रभाव पड़ता है, इस पर समुचित खोज की जाए, तो यह सुनिष्चित है कि इससे मानवी, जैविक एवं वनस्पति जगत की प्रगति को कई गुणा बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि संगीत भावनाओं को परिवर्तित, परिष्कृत एवं उद्वेलित करने की अपूर्व क्षमता रखता है। त्रावणकोर के प्रसिद्ध महान संगीतकार वेडिवेल्लु ने अपने सुमधुर संगीत के बल डाकुओं के कठोर हृदय को परिवर्तित कर उन्हें सहिष्णु मानव के रूप में प्रतिष्ठित कर उन्हें सहिष्णु मानव के रूप में प्रतिष्ठित किया था।

(क) रणभेरी सुनकर लोगों पर इसकी क्या प्रतिक्रिया होती थी? **[2]**

(ख) 'संगीत में अद्भुत चमत्कारिक षक्ति विद्यामान हैं' – कैसे ? **[2]**

(ग) 'संगीत की समुचित खोज करने से क्या निष्चित हो जाएगा? **[2]**

(घ) उपर्युक्त गद्यांष का एक उपयुक्त षीर्षक लिखिए तथा इससे प्राप्त षिक्षा का उल्लेख कीजिए। **[2]**

(ङ) 'संसार' अथवा वृक्ष के दो पर्यायवाची षब्द लिखिए। **[1]**

प्र0 2 निम्नलिखित काव्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर दीजिएः **[1X6=6]**

यहाँ कोकिला नहीं, काक हैं षोर मचाते।
काले–काले कीट, भ्रमर का भ्रम उपजाते।।
कलियाँ भी अधखिली, मिली हैं कंटक–कुल से।
वे पौधे, वे पुष्प, षुष्क हैं अथवा झुलसे।।

परिमल–हीन पराग दाग –सा बना पड़ा है।
हा! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है।
आओ प्रिय ऋतुराज! किन्तु धीरे से आना।
यह है षोक–स्थान यहाँ मत षोर मचाना।।

वायु चले पर मंद चाल से उसे चलाना।
दुख की आहें संग उड़ाकर मत ले जाना।।
कोकिल गावे, किन्तु राग रोने का गावे।
भ्रमर करे गुंजार, कष्ट की कथा सुनावें।

**(क)** बाग में कौन षोर मचा रहा था?
**(ख)** कलियों की क्या स्थिति है?
**(ग)** कवि ऋतुराज से क्या प्रार्थना करता है?
**(घ)** हवा और कोयल से कवि क्या प्रार्थना कर रहा है?
**(ङ)** ऋतुराज किस ऋतु को कहा जाता है?
**(च)** इस काव्यांष का उचित 'षीर्षक लिखिए।

## खण्ड – 'ख'

प्र0 3 **(i)** दिए गए प्रष्नों के उत्तर लिखिएः **[1X7=7]**

**(क)** 'भाषा' षब्द की उत्पत्ति किस धातु से हुई है तथा उसका क्या अर्थ क्या है?
**(ख)** हिन्दी के मूल स्वर कितने हैं?
**(ग)** अधोलिखित वाक्यांष के लिए एक–एक षब्द लिखिए :
जो सब जगह हो, जिसका होना संभव न हो।
**(घ)** दिए गए एकार्थक प्रतीत होने वाले षब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिएः
अवस्था, आयु।
**(ङ)** 'उन्नति' और 'अनुराग' षब्दों के विलोम लिखिएः
**(च)** 'अंबर'षब्द के दो अनेकार्थक लिखिए।
**(छ)** निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिएः
आँखों का तारा अथवा कमर कसना।

**(ii)** **(क)** यौगिक और योग रूढ़ षब्दों में अंतर लिखिएः **[2]**
**(ख)** करण कारक एवं अपादान कारक में अंतर स्पष्ट कीजिए। **[2]**
**(ग)** 'उपवन' और 'बादल' षब्दों के दो–दो पर्यायवाची षब्द लिखिए : **[2]**
**(घ)** निम्नलिखित युग्म षब्दों के अर्थ लिखिए। **[2]**
नियत – नीयत , कपट – कपाट ।

## खण्ड – 'ग

प्र0 4 निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रष्नों के उत्तर लिखिएः **[1X6=6]**

(क) 'मंगलगीत' पाठ में क्षत्रियों के विषय में क्या कामना की गई है?

(ख) लेखक ने चिड़िया की तुलना 'माँ' से क्यों की है?

(ग) मनुष्य समाज में क्यों रहता है?

(घ) संन्यासी की आँखें क्यों बरसने लगीं?

(ङ) मालवीय जी ने लेखक को क्या समझाया था?

(च) ''माया ते असि रचि नहीं जाई'' से क्या अभिप्राय है?

प्र0 5 अधोलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रष्नों के उत्तर 4–5 वाक्यों में लिखिएः **[3X3=9]**

(क) मनुष्य को समाज की षक्ति क्यों कहा गया है? लहरों से उसकी तुलना क्यों की गई है?

(ख) मालवीय जी द्वारा दिए गए संदेष का परीक्षण लेखक ने कैसे किया?

(ग) माता–पिता और उनके बच्चों में आपको क्या अंतर दिखाई दिया? इन पात्रों में आपको कौन अच्छा लगा और क्यों?

प्र0 6 अधोलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिएः **[3X2=6]**

(क) बलवान सभ्य योद्धा यजमान पुत्र होवें।
इच्छानुसार बरसें, पर्जन्य ताप धोवें।।

(ख) राम नाम अवलंब बिनु परमारथ की आस।
बरसत बारिद बूँद गहि चाहत चढ़न अकास।।

प्र0 7 निम्नलिखित पंक्तियों का आषय स्पष्ट कीजिएः **[2X1=2]**

उसका साहचर्यजनित लगाव, मानवीय स्नेह के समान ही निकटता चाहता था। निकट जाने पर वह सहलाने के लिए गरदन बढ़ा देती, हाथ –फेरने पर अपना मुख आष्वस्त भाव से कंधे पर रखकर आँखें मूँद लेती।

प्र0 8 दिए गए मूल्यपरक प्रष्नों के उत्तर लिखिए : **[2X2=4]**

(क) 'हमारी स्वतंत्रता हमें मिले और हम उसकी रक्षा करें ' से क्या अभिप्राय है?

(ख) चील, भील और साँप के बच्चे अपना भोजन छोड़ने के लिए क्यों तैयार हो गए?

प्र0 9 अधोलिखित पठित गद्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिए। **[1X3=3]**

''कितना सुंदर, मंगल दृष्य था वह!
मेरी तपस्या की ही विजय है यह!''

(क) उपर्युक्त पंक्ति किस पाठ से संकलित है? इसके लेखक का क्या नाम है?

(ख) यहाँ किस मंगल दृष्य का वर्णन है?

(ग) तपस्या करने वाला कौन था?

प्र0 10 पूरक पाठ्य –पुस्तक के आधार पर दिए गए प्रष्नों के उत्तर लिखिएः **[1X5=5]**

(क) लकड़हारा बहू को 'लक्ष्मी बहू' क्यों कहने लगा?

(ख) छोटे –से– छोटे लेखक के साथ भी प्रेमचंद का व्यवहार कैसा था?

(ग) प्रो0 मिश्रा के नाम की घोषणा क्यों हुई? उसे सुनकर उन्हें कैसा लगा?

(घ) लेखक के ऊपर अपने दादा जी के सान्निध्य का क्या प्रभाव पड़ा?

(ङ) क्या आपको 'बेड़ी' कहानी का शीर्षक उपयुक्त लगता है?

<u>खण्ड – 'घ'</u>

प्र0 11 अपने जन्म –दिवस पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद पत्र लिखिए। **[5]**

प्र0 12 अधोलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए। **[1X5=5]**

(क) छात्र और अनुषासन

संकेत बिंदु :

- अनुषासन का अर्थ और महत्व
- सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए अत्यावष्यक
- उपसंहार

(ख) स्वदेष प्रेम

संकेत बिंदु :

- स्वदेष प्रेम का अर्थ,
- वर्णन,
- देष प्रेम का महत्व

प्र0 13 एक आयुर्वेदिक दवा कंपनी के लिए 25–30 षब्दों में एक विज्ञापन लिखिए। **[5]**